Publication	**Hari Bhoomi**	**Language**	Hindi
Edition	New Delhi	**Journalist**	Bureau
Date	27/09/2025	**Page no**	4
CCM	18.80		

6 crore screenings under National Mission for Elimination of Sickle Cell Anemia

अभियान पोषण माह के साथ मिलकर मातृ, किशोर एवं बाल पोषण को मजबूत करने और समाज को सशक्त बनाने का एक अनूठा अवसर है। स्वस्थ महिला ही सशक्त परिवार, सक्षम समाज और मजबूत राष्ट्र की आधारशिला है।

राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत 6 करोड़ स्क्रीनिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

भारत सरकार में केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि महिलाओं का स्वास्थ्य और सशक्तिकरण हमारे परिवारों, समुदायों और समग्र राष्ट्र की प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक है ताकि विकसित भारत/2047 के विजन को साकार किया जा सके। केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने आज एनआईटी-3 स्थित ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के प्रांगण में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक जिले में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उनके साथ बड़खल विधायक धनेश अदलखा भी मौजूद रहे।

पीएम मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति को मिली नई पहचान

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान

राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत माताओं को पहले बच्चे पर 5000 रुपए और दूसरे बच्चे के रूप में कन्या संतान पर 6000 रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती है। अब तक 4 करोड़ से अधिक माताओं को डीबीटी के माध्यम से 19000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि दी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत 6 करोड़ से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग, 2.7 करोड़ से ज्यादा जेनेटिक कार्ड वितरण और नवजात शिशुओं व किशोरों का उपचार किया गया है। स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत देशभर में महिलाओं के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित हो रहे हैं, जिनमें एनीमिया, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, कैंसर जांच, मातृ एवं शिशु देखभाल, पोषण परामर्श और निक्षय मित्र अभियान जैसी सेवाएं दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान पोषण माह के साथ मिलकर मातृ, किशोर एवं बाल पोषण को मजबूत करने और समाज को सशक्त बनाने का एक अनूठा अवसर है। स्वस्थ महिला ही सशक्त परिवार, सक्षम समाज और मजबूत राष्ट्र की आधारशिला है।

रक्तदान की शपथ दिलाई

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को टीबी मुक्त भारत और रक्तदान करने की शपथ दिलाई गई साथ ही ईएसआई डॉक्टर द्वारा 3 टीबी मरीजों को गोद लेकर पोषण किट दी गई। कार्यक्रम में पार्षद गायत्री देवी, ईएसआई मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. चवन कालिदास दत्तात्रेय, मेडिकल सर्जन डॉ. संदीप कुमार सहित कई गणमान्य व्यक्तिगण मौजूद रहे।

Downloaded from
SAMVAD

Publication	**Dainik Jagran (Rashtriya)**	**Language**	Hindi
Edition	New Delhi	**Journalist**	Bureau
Date	27/09/2025	**Page no**	3
CCM	76.22		

Indian cooperatives reach 28 countries

28 देशों तक फैला भारतीय सहकारिता का दायरा

राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड के जरिए 13 .49 लाख टन से अधिक उपज का निर्यात

प्रत्येक वर्ष कम से कम दो लाख करोड़ रुपये के निर्यात का लक्ष्य

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

भारतीय किसानों की उपज अब गांव और मंडियों से निकलकर सीधे दुनिया के बाजारों तक पहुंच रही है। राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) ने मात्र ढाई वर्ष में 28 देशों में कारोबार फैला कर यह साबित कर दिया है कि भारतीय किसानों की उपज की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी मांग है। संस्था के जरिए अभी तक 5,403.01 करोड़ रुपये का निर्यात किया जा चुका है, जिसका सीधा फायदा किसानों को बेहतर दाम और स्थायी बाजार के रूप में मिल रहा है।

सहकारिता मंत्री अमित शाह ने एनसीईएल के लिए प्रत्येक वर्ष कम से कम दो लाख करोड़ रुपये का निर्यात लक्ष्य रखा है। उनका मानना है कि अगर यह लक्ष्य पूरा हुआ तो सहकारी समितियों के जरिए जुड़े किसानों को 20 हजार से 30 हजार करोड़ रुपये तक का अतिरिक्त लाभ हो सकता है। उन्होंने संस्था से चीनी, सुगंधित चावल, जैविक कपास और मोटे अनाज जैसी वस्तुओं के लिए नए निर्यात बाजार तलाशने को कहा है। खाड़ी देशों में ताजी सब्जियां और विशेष किस्म के आलू भेजने की संभावनाएं भी तलाश की जा रही हैं।

गांव के स्तर पर किसानों की पैदावार को खरीदने से लेकर भंडारण, पैकिंग, ब्रांडिंग और विदेश तक पहुंचाने की जिम्मेदारी एनसीईएल निभा रहा है। यानी किसान को अब अपने माल के लिए बिचौलियों या अस्थायी बाजारों पर निर्भर नहीं रहना पड़ रहा। यही वजह है कि बड़ी संख्या में प्राथमिक कृषि ऋण समितियां (पैक्स) इससे जुड़ रही हैं। अगस्त 2025 तक 11 हजार से ज्यादा समितियां एनसीईएल की सदस्य बन चुकी हैं। इन्हीं समितियों के जरिए 13.49 लाख टन से अधिक उपज विदेश भेजी गई है, जिसमें चावल, लाल प्याज, चीनी, मसाले, चाय और प्रसंस्कृत खाद्य सामग्री शामिल हैं। संस्था ने कारोबार और लाभ के मामले में भी भरोसा जगाया है। पिछले वित्त वर्ष में 4,283 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ और 122 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया गया। खास बात यह है कि स्थापना के प्रथम वर्ष ही संस्था ने सहकारी समितियों को 20 प्रतिशत से ज्यादा लाभांश लौटाकर यह संदेश दिया कि कमाई सीधे किसानों और समितियों तक पहुंचेगी।

2025 तक 11 हजार से ज्यादा प्राथमिक कृषि ऋण समितियां (पैक्स) राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड की सदस्य बन चुकी हैं

4,283 करोड़ रुपये का कारोबार किया संस्था ने गत वित्त वर्ष में, 122 करोड़ रुपये का कमाया है शुद्ध लाभ

20 हजार से 30 हजार करोड़ रुपये तक का अतिरिक्त लाभ हो सकता है किसानों को निर्यात लक्ष्य हासिल होने से

5,403.01 करोड़ रुपये का निर्यात किया जा चुका है संस्था के जरिए अभी तक

20 प्रतिशत से ज्यादा लाभांश दिया था संस्था ने सहकारी समितियों को अपनी स्थापना के प्रथम वर्ष में ही

अमित शाह। फाइल

2023 में हुई थी एनसीईएल की स्थापना

एनसीईएल की स्थापना जनवरी 2023 में इफको, कृभको, नैफेड, अमूल और एनसीडीसी जैसी प्रमुख सहकारी संस्थाओं ने मिलकर की थी। 500 करोड़ रुपये की शुरुआती पूंजी और 2,000 करोड़ रुपये की अधिकृत शेयर पूंजी के साथ बनी यह संस्था अब किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजार से सीधे जोड़ने का बड़ा माध्यम बन गई है।

किसानों की मेहनत को दिलाई वैश्विक पहचान

एनसीईएल ने किसानों की मेहनत को वैश्विक पहचान दिलाई है। इसके जरिए विदेशों में भारतीय उपज की पहचान बन रही है। किसान को भी यह भरोसा मिल रहा है कि उसकी फसल का उचित दाम तय समय पर मिलेगा। यही वजह है कि गांवों से लेकर बड़े शहरों तक सहकारिता की यह नई उड़ान किसानों की जिंदगी में समृद्धि की नई रोशनी ला रही है।

****

Downloaded from SAMVAD